चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....दैनिक जागरण....

दिनांक ..9.3.2021... पृष्ठ संख्या ....3.... कॉलम ....1-2....

हर दिन को महिला दिवस के रूप में मनाएं : प्रो. समर सिंह

प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए मुख्यातिथि । • विज्ञप्ति

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय का ग्रामीण गृह कार्य अनुभव प्रशिक्षण का समापन समारोह अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में गांव न्योली कलां के सीनियर सेकेंडरी स्कूल में संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 17 फरवरी से शुरू होकर 8 मार्च को संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण के दौरान महाविद्यालय की छात्राओं ने गांव की महिलाओं को नई तकनीकों से अवगत कराया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफसर समर सिंह मुख्य अतिथि रहे। एचएयू की प्रथम महिला एवं पूर्व सरपंच प्रेमखेडा करनाल अन्नु विशिष्ट अतिथि रहीं ।अध्यक्षता गृह महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. बिमला ढांडा ने की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफसर समर सिंह ने कहा कि महिलाएं देश की नींव है। प्रथम महिला अन्नु ने कहा कि महिलाओं में प्रतिभा और कौशल बहुत है उन्हे वेआत्मविश्वास की जरूरत है। (जासं)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम .... अमर उजाला ....

दिनांक 9.3.2021 पृष्ठ संख्या ...4... कॉलम ...3-4...

महिलाएं देश की नींव : प्रो. समर सिंह

हिसार। एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय का ग्रामीण गृह कार्य अनुभव प्रशिक्षण का समापन समारोह अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में गांव न्योली कलां के सीनियर सेकेंडरी स्कूल में संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 17 फरवरी को शुरू हुआ था। प्रशिक्षण के दौरान महाविद्यालय की छात्राओं ने गांव की महिलाओं को नई तकनीकों से अवगत कराया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह मुख्य अतिथि रहे। प्रो. समर सिंह ने कहा कि महिलाएं देश की नींव है। यह दिन महिलाओं को मनाने का दिन है जो व्यक्तिगत और व्यावसायिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करती हैं। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	**09.03.2021**	--	--

हर दिन को महिला दिवस के रूप में मनाएं : प्रोफेसर समर सिंह

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय का ग्रामीण $गृह कार्य अनुभव प्रशिक्षण का समापन समारोह अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में गांव न्योली कलां के सीनियर सैकेंडरी स्कूल में सम्पन्न हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 17 फरवरी से शुरू होकर 8 मार्च को सम्पन्न हुआ।

इस प्रशिक्षण के दौरान महाविद्यालय की छात्राओं ने गांव की महिलाओं को नई तकनीकों से अवगत कराया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह मुख्य अतिथि रहे। श्रीमति अन्नु प्रथम महिला हकृवि एवं पूर्व सरपंच प्रेमखेडा करनाल विशिष्ट अतिथि थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता गृह महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढाण्डा ने की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफसर समर सिंह ने कहा कि

कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्यातिथि एवं प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए मुख्यातिथि।

महिलाएं देश की नींव है। यह दिन महिलाओं को मनाने का दिन है जो व्यक्तिगत और व्यावसायिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करती हैं। इसलिए न केवल 8 मार्च बल्कि हर दिन को महिला दिवस के रूप में मनाना चाहिए। इसके पश्चात श्रीमति अन्नु जो कि पूर्व सरपंच प्रेमखेडा रह चुकी है उन्होंनें अपने विचार सांझा करते हुए कहा कि महिलाओं में प्रतिभा और कौशल बहुत है उन्हे केवल प्रोत्साहन व आत्मविश्वास की जरूरत है। महिलाएं अपने आप में बहुत बड़ी शक्ति का रूप है। मुख्यातिथियों ने छात्राओं द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी की सराहना की। इसके पश्चात सभी गृह महिला मुखियाओं व अन्य महिलाओं को सम्मानित किया। इसके साथ ही प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान आए सभी प्रशिक्षकों को सम्मानित किया। इसके पश्चात महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढाण्डा ने कहा कि महिलाओं को एक जबरदस्त सुधार के लिए जीवन के सभी क्षेत्रों में सभी बाधाओं को पार करने का साहस जुटाना चाहिए।

महिला दिवस समाज को यह अहसास दिलाने के बारे में है कि प्रत्येक व्यक्ति को अलग तरीके से काम करना होगा और समाज को बेहतर भविष्य की ओर बदलना होगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय की 86 छात्राओं ने लगभग 400 महिलाओ व बच्चियों को प्रशिक्षित किया। इस कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. बीना योदव ने प्रशिक्षण कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस अवसर के दौरान महिलाओं व छात्राओं दोनों को एक दूसरे से सीखने का मौका मिला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......दैनिक भास्कर......

दिनांक ...9.3.2021....पृष्ठ संख्या......2......कॉलम....2-5....

प्रो. समर सिंह ने कहा-जिस समाज में नारी को सम्मान मिला है वही विकसित हुआ है

एचएयू के भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग में महिला दिवस पर हुआ कार्यक्रम

भास्कर न्यूज| हिसार

संस्कृत में कहा गया है कि नारी शक्ति शक्तिशाली समांजस्य निर्माण करोति अर्थात नारी सशक्तिकरण ही किसी समाज को शक्तिशाली बना सकती है। यह बात काफी हद तक सही भी है क्योंकि जिस समाज में नारी को सम्मान मिला है, उसके हक की बात की गई है, वही समाज विकसित हो पाया है।

उक्त विचार एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला एवं प्रेम खेड़ा करनाल की पूर्व सरपंच अन्नु विशिष्ट अतिथि जबकि राजकीय महिला महाविद्यालय पिल्लुखेड़ा जींद की प्राचार्या डॉ. मंजुलता रेढू मुख्य वक्ता रही। मुख्यातिथि ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और पुरुषों में समानता बनाने के लिए समाज में जागरूकता लाना है।

महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने सभी मुख्यातिथियों को स्वागत किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, वित्त नियंत्रक नवीन जैन सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष सहित कर्मचारी व विद्यार्थी भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक जागरण........

दिनांक 9.3.2021....पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....5.....

नारी सशक्तीकरण से ही सशक्त बनता है समाज

जासं, हिसार : संस्कृत में कहा गया है कि नारी शक्ति शक्तिशाली समाजस्य निर्माण करोति अर्थात नारी सशक्तिकरण ही किसी समाज को शक्तिशाली बना सकती है। यह बात काफी हद तक सही भी है क्योंकि जिस समाज में नारी को सम्मान मिला है, उसके हक की बात की गई है। वही समाज विकसित हो पाया है। आज की नारी हर एक क्षेत्र में अपने हुनर का परचम लहरा रही है और उनके इसी आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक उपलब्धियों के सम्मान के लिए ही 8 मार्च को पूरे विश्वभर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भाषा एवं हरियाणवीं संस्कृति विभाग की ओर से अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	**09.03.2021**	--	--

नारी सशक्तिकरण से ही शक्तिशाली बन सकता है समाज : प्रोफेसर समर सिंह

एचएयू के भाषा एवं हरियाणवीं संस्कृति विभाग में महिला दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। संस्कृत में कहा गया है कि नारी शक्ति शक्तिशाली समाजस्य निर्माण करोति अर्थात नारी सशक्तिकरण ही किसी समाज को शक्तिशाली बना सकती है। यह बात काफी हद तक सही भी है क्योंकि जिस समाज में नारी को सम्मान मिला है, उसके हक की बात की गई है, वही समाज विकसित हो पाया है। आज की नारी हर एक क्षेत्र में अपने हुनर का परचम लहरा रही है और उनके इसी आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक उपलब्धियों के सम्मान के लिए ही 8 मार्च को पूरे विश्वभर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे।

वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भाषा एवं हरियाणवीं संस्कृति विभाग की ओर से अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला एवं प्रेम खेड़ा करनाल की पूर्व सरपंच अन्नु विशिष्ट अतिथि जबकि राजकीय महिला महाविद्यालय पिल्लुखेड़ा जींद की प्राचार्या डॉ. मंजुलता रेढू मुख्य वक्ता रही। मुख्यातिथि ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और पुरुषों में समानता बनाने के लिए समाज में जागरूकता लाना है। इस दिवस की तभी सार्थकता होगी जब महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के समान अवसर मिलेंगे और अधिकार मिलेंगे। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने सभी मुख्यातिथियों को स्वागत किया।

कार्यक्रम में संबोधित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व मौजूद अन्य।

महिलाओं ने हर क्षेत्र में मेहनत के बल पर मनवाया लोहा : विश्वविद्यालय की प्रथम महिला अन्नु

विश्वविद्यालय की प्रथम महिला एवं प्रेम खेड़ा करनाल की पूर्व सरपंच अनु विशिष्ट अतिथि ने कहा कि महिलाओं को समर्पित यह दिन पूरे विश्व में महिलाओं की उपलब्धियों का सम्मान करने और उनके अधिकारों पर ध्यान देने का होता है। यह दिवस इस बात का सूचक है महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपने मेहनत के दम पर लोहा मनवाया है, लेकिन आज भी कई ऐसे देश है जहां महिलाओं को समानता का अधिकार प्राप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी महिलाओं को शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में समान अधिकारों की जरूरत है और इस दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है। डॉ. मंजुलता रेढू ने कहा कि नारी अबला नहीं बल्कि सबला है लेकिन उसे अपने अंदर झांकने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि नारी का सम्मान हृदय की गहराइयों से होना चाहिए। इसके लिए किसी प्रकार का दिखावा नहीं होना चाहिए। भाषा एवं हरियाणवीं संस्कृति विभाग की अध्यक्षा डॉ. सुषमा आनंद ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस विशेष थीम के साथ मनाया जा रहा है। इस साल का थीम वुमेन इन लीडरशिप-अचिविंग एन इक्वल फ्यूचर इन ए कोविड-19 वल्र्ड रखा गया है। इस साल यह थीम कोरोना महामारी के दौरान स्वास्थ्य देखभाल श्रमिकों, इनोवेटर आदि के रूप में दुनियाभर में लड़कियों और महिलाओं के योगदान को याद करते हुए प्रोत्साहन के तौर पर रखी गई है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**08.03.2021**	--	--

नारी सशक्तिकरण से ही शक्तिशाली बन सकता है समाज : प्रोफेसर समर सिंह

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। संस्कृत में कहा गया है कि नारी शक्ति शक्तिशाली समाजस्य निर्माण करोति अर्थात नारी सशक्तिकरण ही किसी समाज को शक्तिशाली बना सकती है। यह बात काफी हद तक सही भी है क्योंकि जिस समाज में नारी को सम्मान मिला है, उसके हक की बात की गई है, वही समाज विकसित हो पाया है। आज की नारी हर एक क्षेत्र में अपने हुनर का परचम लहरा रही है और उनके इसी आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक उपलब्धियों के सम्मान के लिए ही 8 मार्च को पूरे विश्वभर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग की ओर से अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

हिसार। कार्यक्रम में संबोधित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व मौजूद अन्य।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला एवं प्रेम खेड़ा करनाल की पूर्व सरपंच अनु विशिष्ट अतिथि जबकि राजकीय महिला महाविद्यालय पिल्लूखेड़ा जींद की प्राचार्या डॉ. मंजुलता रेढू मुख्य वक्ता रही। मुख्यातिथि ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और पुरुषों में समानता बनाने के लिए समाज में जागरूकता लाना है। इस दिवस की तभी सार्थकता होगी जब महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढने के समान अवसर मिलेंगे और अधिकार मिलेंगे। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने सभी मुख्यातिथियों को स्वागत किया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, वित्त नियंत्रक नवीन जैन सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष सहित कर्मचारी व विद्यार्थी भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....दैनिक भास्कर....

दिनांक ..9.3.2021.... पृष्ठ संख्या....4.... कॉलम....3-5....

खरीफ सीजन के लिए एचएयू का वर्चुअल कृषि मेला आज और कल

46000 किसान करा चुके रजिस्ट्रेशन

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के 9 और 10 मार्च को होने वाले का वर्चुअल कृषि मेले को लेकर इस बार किसानों में रूझान बढ़ा है। रबी मेले की तुलना में अधिक किसान ऑनलाइन पंजीकरण करा रहे हैं। एचएयू के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने बताया कि अब तक मेले में 46000 किसान अपने मोबाइल नंबर से 'डब्लयूडब्लयूडब्लयूडॉट एचएयू कृषि मेला डॉट काम' वेबसाइट लिंक के माध्यम से स्वयं को पंजीकृत करवा चुके हैं। इस दो दिवसीय मेले में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि विस्तार) डॉ. एके सिंह मख्यातिथि होंगे और लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार के कलपति डॉ. गुरदयाल सिंह विशिष्ट अतिथि होंगे। अध्यक्षता एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह करेंगे।

मेले में ये प्रगतिशील किसान किए जाएंगे सम्मानित

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि सम्मानित होने वाले किसानों में अम्बाला जिले के गांव हल्दरी से शमशेर सिंह, बावल के गांव भूर्थला से अजय कुमार, भिवानी के गांव बलियाली से चंद्रभान, फरीदाबाद के गांव भनकपुर से गोपीचन्द रावत, फतेहाबाद के गांव बनमन्दोरी से मनीश कुमार, झज्जर के आर्य नगर से सिद्धार्थ मल्हान, जीन्द के गांव धतरथ से ईश्वर, कैथल के गांव किठाना से राजबीर सिंह, करनाल के गांव नसीरपुर से जगत सिंह, कुरूक्षेत्र क गांव बपडी से सुरजीत सिंह, मंडकौला के गांव मंडकौला से बीर सिंह, महेन्द्रगढ के गांव बरडा से विक्रम, पानीपत के गांव गोयला खुर्द से सतपाल सिंह, रोहतक के गांव फरमाना से अभिषेक, सदलपुर के गांव शीशवाल से मनोहर लाल, सिरसा के गांव भरौखा से रमेश कुमार, सोनीपत के गांव करेवारी से सुमेर, यमुनानगर के गांव हफीजपुर से सुभाष चन्द और पंचकूला के गांव मल्हा से विक्रम सिंह शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक जागरण........

दिनांक ..9.:3.:2021....पृष्ठ संख्या......4............कॉलम......7:8........

हकृवि में दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेला आज से

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार का वर्चुअल कृषि मेला 9 और 10 मार्च को आयोजित किया जाएगा। जिसमें प्रत्येक कृषि विज्ञान केंद्र से एक-एक प्रगतिशील किसान को सम्मानित किया जाएगा। विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आर-एस. हुड्डा ने बताया कि इसके लिए सम्मानित किए जाने वाले किसानों की सूची तैयार कर ली गई है। किसानों को सम्मानित करने का मुख्य उद्देश्य अन्य किसानों को ऐसे प्रगतिशील किसानों से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित करना है।

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक(किसान परामर्श केंद्र) डा. सुनील ढांडा ने बताया कि सम्मानित होने वाले किसानों में अंबाला जिले के गांव हल्दरी से शमशेर सिंह, बावल के गांव भूर्थला से अजय कुमार, भिवानी के गांव बलियाली से चंद्रभान, फरीदाबाद के गांव भनकपुर से गोपीचंद रावत, फतेहाबाद के गांव बनमंदोरी से मनीश कुमार, झज्जर से सिद्धार्थ मल्हान शामिल हैं।

कृषि विज्ञान केंद्रों पर एलईडी स्क्रीन पर लाइव चलेगा मेला

कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज किसानों के साथ कोविड-19 के नियमों के अनुसार सामाजिक दूरी, मास्क व सेनेटाइजेशन का ध्यान रखते हुए केंद्र पर ऑनलाइन एलइडी स्क्रीन के माध्यम से मेले को लाइव दिखाएंगे। इसके अलावा इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों के पास मेले का लिंक भेजकर किसानों को जोड़ा जा रहा है। विश्वविद्यालय का मकसद है कि गत वर्ष आयोजित वर्चुअल कृषि मेला(रबी) की तरह इस बार भी जिज्ञासाओं को शांत करें। इसके लिए कृषि वैज्ञानिकों के पैनल बना दिए गए हैं, जो किसानों की सहायता के लिए मेले के दौरान हर समय ऑनलाइन रहेंगे। उन्होंने बताया कि मेले के दिन 9 मार्च को सांय 4 से 5 बजे तक किसानों के लिए प्रश्नोत्तरी सत्र रखा गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम .... पंजाब केसरी ....

दिनांक 9.3.2021 ..... पृष्ठ संख्या ..... 4 ..... कॉलम ..... 7-8 .....

'प्रगतिशील किसान होंगे सम्मानित'

हिसार, 8 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार का वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) 9 व 10 मार्च को आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक कृषि विज्ञान केंद्र से एक-एक प्रगतिशील किसान को सम्मानित किया जाएगा।

इनमें अम्बाला जिले के गांव हल्दरी से शमशेर सिंह, बावल के गांव भूर्थला से अजय कुमार, भिवानी के गांव बलियाली से चंद्रभान, फरीदाबाद के गांव भनकपुर से गोपीचन्द रावत, फतेहाबाद के गांव बनमन्दोरी से मनीश कुमार, झज्जर के आर्य नगर से सिद्धार्थ मल्हान, जीन्द के गांव धतरथ से ईश्वर, कैथल के गांव किठाना से राजबीर सिंह, करनाल के गांव नसीरपुर से जगत सिंह, कुरुक्षेत्र क गांव बपड़ी से सुरजीत सिंह, मंडकौला से बीर सिंह, महेन्द्रगढ के गांव बरडा से विक्रम, पानीपत के गांव गोयला खुर्द से सतपाल सिंह, रोहतक के गांव फरमाना से अभिषेक, सदलपुर के गांव शीशवाल से मनोहर लाल, सिरसा के गांव भरौखा से रमेश कुमार, सोनीपत के गांव करेवारी से सुमेर, यमुनानगर के गांव हफीजपुर से सुभाष चन्द और पंचकूला के गांव मल्हा से विक्रम सिंह शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....अमर उजाला........

दिनांक 9.3.2021 ....पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....2-3......

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेला आज से

हिसार (ब्यूरो)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) 9 मार्च से शुरू होगा। इसमें प्रत्येक कृषि विज्ञान केंद्र से एक-एक प्रगतिशील किसान को सम्मानित किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने बताया कि इसके लिए सम्मानित किए जाने वाले किसानों की सूची तैयार कर ली गई है। किसानों को सम्मानित करने का मुख्य उद्देश्य अन्य किसानों को ऐसे प्रगतिशील किसानों से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित करना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**08.03.2021**	--	--

वर्चुअल कृषि मेले में बढ़ा किसानों का रूझान

हिसार/08 मार्च/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) कल से आरंभ होगा। यह जानकारी देते हुए विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने बताया कि गत वर्ष आयोजित किए गए वर्चुअल कृषि मेले की तुलना में इस बार किसानों में रूझान ज्यादा दिखाई दे रहा है। यही कारण है कि अब तक मेले में 46000 किसान अपने मोबाइल नंबर से स्वयं को पंजीकृत करवा चुके हैं। मेला अधिकारी एवं सह-निदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि विश्वविद्यालयों के विभिन्न विभागों की इस बार 400 से अधिक वीडियोज व डाक्युमेंट्री बनाकर विश्वविद्यालय की वैबसाइट पर अपलोड की जा चुकी हैं। इन वीडियोज में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों व उन्नत किस्मों आदि का जिक्र किया गया है ताकि किसानों को ऑनलाईन माध्यम से हर प्रकार की जानकारी मिल सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	08.03.2021	--	--

एचएयू के वर्चुअल कृषि मेले में प्रत्येक कृषि विज्ञान केंद्र से एक प्रगतिशील किसान को किया जाएगा सम्मानित

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार का वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) 9 व 10 मार्च को आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक कृषि विज्ञान केंद्र से एक-एक प्रगतिशील किसान को सम्मानित किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर-एस. हुड्डा ने बताया कि इसके लिए सम्मानित किए जाने वाले किसानों की सूची तैयार कर ली गई है। किसानों को सम्मानित करने का मुख्य उद्देश्य अन्य किसानों को ऐसे प्रगतिशील किसानों से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने बताया कि मेले के सफल आयोजन के लिए सभी कृषि विज्ञान केंद्रों की जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं ताकि अधिक से अधिक किसानों को मेले के लिए जोड़ा जा सके और उन्हें फायदा मिल सके।

इन किसानों को किया जाएगा सम्मानित

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक(किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि सम्मानित होने वाले किसानों में अम्बाला जिले के गांव हल्दरी से शमशेर सिंह, बावल के गांव भूर्थला से अजय कुमार, भिवानी के गांव बलियाली से चंद्रभान, फरीदाबाद के गांव भनकपुर से गोपीचन्द रावत, फतेहाबाद के गांव बनमन्दोरी से मनीश कुमार, झज्जर के आर्य नगर से सिद्धार्थ मल्हान, जीन्द के गांव धतरथ से ईश्वर, कैथल के गांव किठाना से राजबीर सिंह, करनाल के गांव नसीरपुर से जगत सिंह, कुरूक्षेत्र क गांव बपडी से सुरजीत सिंह, मंडकौला के गांव मंडकौला से बीर सिंह, महेन्द्रगढ के गांव बरडा से विक्रम, पानीपत के गांव गोयला खुर्द से सतपाल सिंह, रोहतक के गांव फरमाना से अभिषेक, सदलपुर के गांव शीशवाल से मनोहर लाल, सिरसा के गांव भरौखा से रमेश कुमार, सोनीपत के गांव करेवारी से सुमेर, यमुनानगर के गांव हफीजपुर से सुभाष चन्द और पंचकूला के गांव मल्हा से विक्रम सिंह शामिल हैं।

कृषि विज्ञान केंद्रों पर एलईडी स्क्रीन पर लाइव चलेगा मेला

कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज किसानों के साथ कोविड-19 के नियमों के अनुसार सामाजिक दूरी, मास्क व सेनेटाइजेशन का ध्यान रखते हुए केंद्र पर ऑनलाइन एलइडी स्क्रीन के माध्यम से मेले को लाइव दिखाएंगे। इसके अलावा व्हाटशप व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों के पास मेले का लिंक भेजकर किसानों को जोड़ा जा रहा है। विश्वविद्यालय का मकसद है कि गत वर्ष आयोजित वर्चुअल कृषि मेला(रबी) की तरह इस बार भी अधिकाधिक सख्या में किसान इस मेले में जुड़कर अपनी कृषि संबंधी जिज्ञासाओं को शांत करें। इसके लिए कृषि वैज्ञानिकों के पैनल बना दिए गए हैं, जो किसानों की सहायता के लिए मेले के दौरान हर समय ऑनलाइन रहेंगे। उन्होंने बताया कि मेले के दिन 9 मार्च को सांय 4 से 5 बजे तक किसानों के लिए प्रश्नोत्तरी सत्र रखा गया है। इस दौरान किसान अपनी किसी भी प्रकार की समस्या को लेकर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ सवाल-जवाब कर जानकारी हासिल कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**08.03.2021**	--	--

एचएयु का वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) 9 व 10 मार्च को

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार का वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) 9 व 10 मार्च को आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस. हुड्डा ने बताया कि दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले की तुलना में इस बार किसानों में रूझान ज्यादा दिखाई दे रहा है। यही कारण है कि अब तक मेले में 46000 किसान अपने मोबाइल नंबर से वेबसाइट लिंक के माध्यम से स्वयं को पंजीकृत करवा चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस दो दिवसीय मेले में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि विस्तार) डॉ. ए. के. सिंह मुख्यातिथि होंगे जबकि लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गुरदयाल सिंह विशिष्ट अतिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह करेंगे। उन्होंने बताया कि मेले के समापन अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर. सी. अग्रवाल मुख्यातिथि होंगे जबकि अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर समर सिंह करेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिरसा टूडे	**09.03.2021**	--	--

एचएयु का वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) 9 व 10 मार्च को

हिसार | सिरसा टुडे

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार का वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) 9 व 10 मार्च को आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक कृषि विज्ञान केंद्र से एक-एक प्रगतिशील किसान को सम्मानित किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर-एस. हुड्डा ने बताया कि इसके लिए सम्मानित किए जाने वाले किसानों की सूची तैयार कर ली गई है। किसानों को सम्मानित करने का मुख्य उद्देश्य अन्य किसानों को ऐसे प्रगतिशील किसानों से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित करना है।

उन्होंने बताया कि मेले के सफल आयोजन के लिए सभी कृषि विज्ञान केंद्रों की जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं ताकि अधिक से अधिक किसानों को मेले के लिए जोड़ा जा सके और उन्हें फायदा मिल सके।

इन किसानों को किया जाएगा सम्मानित

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक(किसान परामर्श केंद्र)डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि सम्मानित होने वाले किसानों में अम्बाला जिले के गांव हल्दरी से शमशेर सिंह, बावल के गांव भूर्थला से अजय कुमार, भिवानी के गांव बलियाली से चंद्रभान, फरीदाबाद के गांव भनकपुर से गोपीचन्द रावत, फतेहाबाद के गांव बनमन्दोरी से मनीश कुमार, झज्जर के आर्य नगर से सिद्धार्थ मल्हान, जीन्द के गांव धतरथ से ईश्वर, कैथल के गांव किठाना से राजबीर सिंह, करनाल के गांव नसीरपुर से जगत सिंह, कुरुक्षेत्र क गांव बपडी से सुरजीत सिंह, मंडकौला के गांव मंडकौला से बीर सिंह, महेन्द्रगढ के गांव बरडा से विक्रम, पानीपत के गांव गोयला खुर्द से सतपाल सिंह, रोहतक के गांव फरमाना से अभिषेक, सदलपुर के गांव शीशवाल से मनोहर लाल, सिरसा के गांव भरौखा से रमेश कुमार, सोनीपत के गांव करेवारी से सुमेर, यमुनानगर के गांव हफीजपुर से सुभाष चन्द और पंचकूला के गांव मल्हा से विक्रम सिंह शामिल हैं।

कृषि विज्ञान केंद्रों पर एलईडी स्क्रीन पर लाइव चलेगा मेला

कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज किसानों के साथ कोविड-19 के नियमों के अनुसार सामाजिक दूरी, मास्क व सेनेटाइजेशन का ध्यान रखते हुए केंद्र पर ऑनलाइन एलइडी स्क्रीन के माध्यम से मेले को लाइव दिखाएंगे। इसके अलावा व्हाटशप व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों के पास मेले का लिंक भेजकर किसानों को जोड़ा जा रहा है। विश्वविद्यालय का मकसद है कि गत वर्ष आयोजित वर्चुअल कृषि मेला(रबी) की तरह इस बार भी अधिकाधिक सख्या में किसान इस मेले में जुडकर अपनी कृषि संबंधी जिज्ञासाओं को शांत करें। इसके लिए कृषि वैज्ञानिकों के पैनल बना दिए गए हैं, जो किसानों की सहायता के लिए मेले के दौरान हर समय ऑनलाइन रहेंगे। उन्होंने बताया कि मेले के दिन 9 मार्च को सांय 4 से 5 बजे तक किसानों के लिए प्रश्नोत्तरी सत्र रखा गया है। इस दौरान किसान अपनी किसी भी प्रकार की समस्या को लेकर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ सवाल-जवाब कर जानकारी हासिल कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	**09.03.2021**	--	--

आत्मनिर्भर बनें महिलाएं, तभी सशक्त होगा समाज : डॉ. सीमा रानी

अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर एचएयू स्थित एबिक में वेबिनार आयोजित

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थित एबिक में अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का मुख्य विषय वुमन इन बिजनेस-महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने की दिशा में एक कदम था। एबिक की नोडल ऑफिसर डॉक्टर सीमा रानी ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनना चाहिए, तभी एक सशक्त समाज की कल्पना की जा सकती है।

उन्होंने कहा कि 8 मार्च यानी आज दुनियाभर में लोग अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मना रहे हैं। इसके पीछे का लक्ष्य है समाज में महिलाओं को बराबरी का अधिकार देना और समाज में उनकी भागीदारी को बढ़ावा देना। इसी के चलते

इस वेबिनार का एजेंडा- महिलाओं के रूप में एक व्यवसाय शुरू करना, हमें व्यवसाय में और अधिक महिलाओं की आवश्यकता क्यों है और महिलाओं द्वारा निर्मित, महिलाओं द्वारा संचालित, महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसाय था। डॉ. आशा कपूर अहलावत ने महिला उद्यमी-एक मुहिम के तहत महिला उद्यमियों द्वारा सामना की जा रही समस्याओं एवं चुनौतियों के बारे में चर्चा की ताकि महिलाएं घर की दहलीज से बाहर निकलकर परिवार ही नहीं बल्कि उद्योग भी चलाएं। डॉ. सुष्मिता ने इनोवेटिव एंड एंटरप्रेन्योरियल बिहेवियर-बस्टिंग द मिथ्स में लैंगिक असमानता के बारे में बात की। इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारत में अधिकांश स्टार्ट-अप पुरुषों द्वारा स्थापित किए गए हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि महिलाएं उद्यमिता की ख्वाहिश नहीं रखतीं। यह सिर्फ इतना है कि महिलाओं के लिए इसे दूर करना अधिक कठिन है क्योंकि वे बहुत अधिक बाधाओं का सामना करती हैं जिनमें घरेलू प्रतिबंधों से लेकर संसाधनों की कमी और प्रशिक्षण तक शामिल हैं। इस वेबीनार का संचालन एबिक की सीईओ मनीषा मणि ने किया। उन्होंने कहा कि एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए तत्पर है और अगर कोई महिला अपना उद्यम शुरू करना चाहती है तो एबिक उनकी सहायता के लिए तैयार है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	**08.03.2021**	--	--

आत्मनिर्भर बनें महिलाएं, तभी सशक्त होगा समाजः डॉ. सीमा रानी

पल पल न्यूजः हिसार, 8 मार्च। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थित एबिक में अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का मुख्य विषय वुमन इन बिजनेस-महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने की दिशा में एक कदम था। एबिक की नोडल ऑफिसर डॉक्टर सीमा रानी ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनना चाहिए तभी एक सशक्त समाज की कल्पना की जा सकती है। उन्होंने कहा कि 8 मार्च यानी आज दुनियाभर में लोग अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मना रहे हैं। इसके पीछे का लक्ष्य है समाज में महिलाओं को बराबरी का अधिकार देना और समाज में उनकी भागीदारी को बढ़ावा देना। इसी के चलते इस वेबिनार का एजेंडा-महिलाओं के रूप में एक व्यवसाय शुरू करना। हमें व्यवसाय में और अधिक महिलाओं की आवश्यकता क्यों है और महिलाओं द्वारा निर्मित, महिलाओं द्वारा संचालित, महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसाय था। डॉ. आशा कपूर अहलावत ने महिला उद्यमी-एक मुहिम के तहत महिला उद्यमियों द्वारा सामना की जा रही समस्याओं एवं चुनौतियों के बारे में चर्चा की ताकि महिलाएं घर की दहलीज से बाहर निकलकर परिवार ही नहीं बल्कि उद्योग भी चलाएं। डॉ. सुष्मिता ने इनोवेटिव एंड एंटरप्रेन्योरियल बिहेवियर-बस्टिंग द मिथ्स में लैंगिक असमानता के बारे में बात की। इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारत में अधिकांश स्टार्ट-अप पुरुषों द्वारा स्थापित किए गए हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि महिलाएं उद्यमिता की ख्वाहिश नहीं रखतीं। यह सिर्फ इतना है कि महिलाओं के लिए इसे दूर करना अधिक कठिन है क्योंकि वे बहुत अधिक बाधाओं का सामना करती हैं जिनमें घरेलू प्रतिबंधों से लेकर संसाधनों की कमी और प्रशिक्षण तक शामिल हैं। इस वेबीनार का संचालन एबिक की सीईओ मनीषा मणि ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम: अमर उजाला

दिनांक 9.3.2021 पृष्ठ संख्या 4 कॉलम 6

महिलाओं का आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना जरूरी : मंजू

हिसार। राजकीय महिला महाविद्यालय में सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एचएयू के होम साइंस कॉलेज की सहायक निदेशक डॉ. मंजू दहिया ने बतौर मुख्य वक्ता शिरकत की। उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज भी बहुत सारे क्षेत्र ऐसे हैं जिनमें महिला सशक्तीकरण की जरूरत है। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों के प्रति छात्राओं जागरूक किया। उन्होंने छात्राओं को समझाया कि वास्तविक सशक्तीकरण तभी होगा जब महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होंगी और उनमें कुछ करने का आत्मविश्वास जागेगा। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक जागरण........
दिनांक ..9.3.2021....पृष्ठ संख्या.....4.......कॉलम....2.5.......

स्वरोजगार | सदलपुर में मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण शिविर में दी जाती हैं किसानों को जानकारियां

मधुमक्खी पालन से सबल बन सकते हैं किसान

खेत खलिहान

अमित गोयल • मंडी आदमपुर

आदमपुर में प्रशिक्षणार्थियों के साथ केंद्र के विज्ञानी। • विज्ञप्ति।

किसानों की आय दोगुनी करने के लिए उन्हें खेती के साथ दूसरे कार्यों को भी करना होगा। किसान मधुमक्खी पालन में हाथ आजमा सकते हैं। इससे शहद ही नहीं बल्कि जैली और मोम बनाकर भी आय कर सकते हैं। इसके लिए एचएयू के सदलपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में किसानों व बेरोजगार युवकों को प्रशिक्षण भी दिया जाता रहा है। केंद्र के को-ऑर्डिनेटर डा. नरेंद्र कुमार ने बताया कि मधुमक्खी पालन एक लघु व्यवसाय है, जिससे शहद एवं मोम प्राप्त होता है।

यह एक ऐसा व्यवसाय है, जो ग्रामीण क्षेत्रों के विकास का पर्याय बनता जा रहा है। शहद उत्पादन के मामले में भारत पांचवें स्थान पर है। वैज्ञानिक तरीके से विधिवत मधुमक्खी पालन का काम 18वीं सदी के अंत में ही शुरू हुआ। इसके पूर्व जंगलों से पारंपरिक ढंग से ही शहद एकत्र किया जाता था। पूरी दुनिया में तरीका लगभग एक जैसा ही था जिसमें धुआं करके, मधुमक्खियां भगाकर लोग मौन छत्तों को उसके स्थान से तोड़ कर फिर उसे निचोड़ कर शहद निकालते थे। मधुमक्खी पालन का आधुनिक वैज्ञानिक तरीका पश्चिम की देन है। यह एक कृषि आधारित उद्योग है। मधुमक्खियां फूलों के रस को शहद में बदल देती हैं और उन्हें छत्तों में जमा करती हैं। जंगलों से मधु एकत्र करने की परंपरा लंबे समय से लुप्त हो रही है। मधुमक्खी पालन के उत्पाद के रूप में शहद, रॉयल जेली, पोलन, विष और मोम आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।

लकड़ी से बने घरों में मक्खियों का नहीं होता नुकसान : कई देशों में मधुमक्खियों को आधुनिक ढंग से लकड़ी के बने हुए जिसे आधुनिक मधुमक्षिकागृह कहते हैं, में पाला जाता है। इस प्रकार से मधुमक्खियों को पालने से अंडे एवं बच्चे वाले छात्तों को हानि नहीं पहुंचती। शहद अलग छात्तों में भरा जाता है और इस शहद को बिना छात्तों को काटे मशीन द्वारा निकाल लिया जाता है। इन खाली छात्तों को वापस मधुमक्षिकागृह में रख दिया जाता है, ताकि मधुमक्खियां इन पर बैठकर फिर से मधु इकट्ठा करना शुरू कर दें।

चार तरह की मधुमक्खियां होती हैं : आम तौर पर चार तरह की मधुमक्खियां होती हैं। जिसमें एपिस मेलीफेरा, एपिस इंडिका, एपिस डोरसाट और एपिस फ्लोरिया। इस व्यवसाय के लिए एपिस मेलीफेरा मक्खियां ही अधिक शहद उत्पादन करने वाली और स्वभाव की शांत होती हैं। इन्हें डिब्बों में आसानी से पाला जा सकता है। इस प्रजाति की रानी मक्खी में अंडे देने की क्षमता भी अधिक होती है। अंडे देने का काम रानी मधुमक्खी ही करती है। इन अंडों की रखवाली का काम अन्य मधुमक्खियां करती हैं।